

संपादकीय

मुरिकल होती उड़ान

संस्थापक चेयरमैन नरेश गोयल के पद छोड़ने और करीब 200 करोड़ रुपये की तात्कालिक मदद पाने के बाद भी जेट एयरवेज का संकट कम होता नहीं दिख रहा। यह रकम कर्मचारियों को बीते दिसंबर महीने का वेतन देने और ईंधन का बकाया उकाने में खप गई बताई जाती है। अभी तकाल बाहरी बदल नहीं मिली तो उत्तरीकरण के दौर में आई शुरुआती उड़ान कंपनियों में से एक जेट एयरवेज ऐप्रैल खट्टम होते होते पूरी तरह बैठ जाएगी।

ओर हाँ, इन दिनों सबका ध्यान जेट एयरवेज की ही तरफ है, लेकिन सचाई यह है कि देश का पूरा विविशन सेक्टर ही पिछले कुछ वर्षों से किसी दलदल में जा पाना है। उड़ान की लाज कंपनियों के बाद भी इसका कोई न कोई हिस्सा नीचे धंसता ही जा रहा है। विजय माल्या की किंविधियों परहले ही इडु युके हैं, लेकिन अभी चाहे इडिगो, स्पाइस जेट और गोएयर जैसी प्राइवेट कंपनियां हीं या एयर इडिया जैसा सरकारी महाराजा, लगभग सारी ही एयरलाइंस वित्तीय मोर्चे पर लगातार संघर्ष करती दिख रही हैं।

42.5 फीसदी मार्केट शेयर वाली इडिगो की बात करें तो दिसंबर में खट्टम हुई तिमाही में इसके शुद्ध मुनाफे में 75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि इसी तिमाही में रायड्सजेट के शुद्ध मुनाफे में 77 फीसदी की कमी आई। आलम यह है कि क्षेत्रीय एयरपोर्ट विकसित करने को लेकर दो साल पहले लॉन्य की गई टीमान (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत विविश भवने वाली छह एयरलाइंस अपने ऑपरेशंस बंद कर चुकी हैं। इसका नतीजा यात्रियों को प्लाइट कैसिलेशन और बड़ी टिकट दरों के रूप में भुगतान पड़ रहा है।

एविशन सेक्टर की गड़बड़ियों के लिए सरकार की बदइंतजारी और मरियों-अफरियों की मनमानी को जिम्मेदार ठहराते हुए भी इस हकीकत को रेखांकित करन जरूरी है कि भारत में एविशन हाल तक सरकारी पैसों पर ही फलता-फूलता रहा, फिर चाहे वह हज शब्दियों के रूप में भिलने वाली रकम हो या सरकारी हवाई यात्रियों का लंबा-चौड़ा बिल भुगतान हो। मामला उड़ानों तब शुरू हुआ, जब सरकारें इस खट्टों को लेकर संघर्ष हुईं और निजी कंपनियों के दखल से हवाई यात्रा आम लोगों के द्वारा में आने लगी।

इस विश्वाल ग्राहक वर्ग के लुभाने के लिए टिकट दर कम रखने की मजबूती और ईंधन, पार्किंग व लौजे के बदले खर्च के बीच सांतुलन बनाना इस सेक्टर के लिए कठिन चुनौती बना हुआ है। जेट एयरवेज का ऊंट आज वहाँ तो कल एक करवट बैठ जाएगा। बोइंग 737 विमानों की उड़ान बंद होने से उपर्युक्त कठिनाई भी दैर-सबैर दूर कर ली जाएगी। लेकिन इस सेक्टर को फैलाव के जरिये फाइलिंग के हवाले से कहा, तीन साल तक सभी भूमि और लाभ नहीं लेने के पीछे का कारण डोसी के टिकट की दीर्घकालिक मूल्य सृजन क्षमता में उनकी प्रतिबद्धता और विश्वास को मान्यता को देता है। सीएनईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, डोसी की तनखाह टवीट में टिकट यूरों को दी जाने वाली 140 वर्षों की सीमित संख्या के एक फीसदी के रूप में आती है। डोसी ने 2015 में कंपनी का नियंत्रण संभाला था। कंपनी ने 2017 के अंत में वर्षों की सीमित संख्या को 140 से बढ़ाकर 280 कर दिया था।

दीन में परमात्मा

एक बालक नदी में नहा रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह तेज पानी के बहाव में फंस गया। एक महात्मा वह बैठे जप कर रहे थे, किन्तु उन्होंने यह देखकर भी आंखें बंद कर लीं। संत ज्ञानेश्वर उसी जानेश्वर नदी में नहीं रोका जाएगा, लेकिन उन्हें इस

हितों के टकराव का मामला: दिल्ली कैपिटल्स के इग्जाओ में बैठ सकते हैं गंगुली

नई दिल्ली। बंगाल किकेट संघ मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (कैब) के अध्यक्ष सौरव गंगुली को उनके खिलाफ हितों के टकराव की शिकायत के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी टीम दिल्ली कैपिटल्स के डाइरेक्टर में बैठने से



सीएनईटी ने टिकट की फाइलिंग के हवाले से कहा, तीन साल तक सभी भूमि और लाभ नहीं लेने के पीछे का कारण डोसी के टिकट की दीर्घकालिक मूल्य सृजन क्षमता में उनकी प्रतिबद्धता और विश्वास को मान्यता को देता है। सीएनईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, डोसी की

तनखाह टवीट में टिकट यूरों को दी जाने वाली 140 वर्षों की सीमित संख्या के एक फीसदी के रूप में आती है। डोसी ने 2015 में कंपनी का नियंत्रण संभाला था। कंपनी ने 2017 के अंत में वर्षों की सीमित संख्या को 140 से बढ़ाकर 280 कर दिया था।

चेन्नई को हरा सुपर कप के फाइनल में पहुंची एफ सी गोवा

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग फेरन कोरोनास ने दो और (आईपीएल) फूटबाल क्लब ब्रेंडन फर्नार्डों ने एक गोल को अपनी गोवा ने सोमवार को कलिंगा स्टेडियम में खेले गए सुपर कप के पहले सेमीफाइनल मैच में चेन्नई सिटी एफसी को एक तरफा मुकाबले में 3-0 से बैकफुट रखा। कोरोनास ने शुरुआती मिनटों में ही गोल करने की तेजी दिखाई।

फेरन कोरोनास ने दो और ब्रेंडन फर्नार्डों ने एक गोल को अपनी गोवा ने सोमवार को कलिंगा स्टेडियम में खेले गए सुपर कप के पहले सेमीफाइनल मैच में चेन्नई सिटी एफसी को एक तरफा मुकाबले में 3-0 से बैकफुट रखा। कोरोनास ने शुरुआती मिनटों में ही गोल करने की तेजी दिखाई।

लगातार 6 मैच हारने वाले कोहली के बचाव में उत्तरे कोच

नई दिल्ली। बैंगलुरु के लगातार छह मैचों में हार के कारण विराट कोहली की कसान पर सवाल उठने लग गए हैं। इन्हाँडे के पूर्व कासान माइकल वॉन जैसे दिग्गज उठाए आराम देने की सलाह दे रहे हैं। ऐसे मौके पर विराट के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा उनके बचाव में आए हैं। उन्होंने आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर आकलन करने को गलत करार दिया और कहा कि इस स्टार बल्लेबाज को विश्व कप से पहले आराम की जरूरत नहीं है।

दीपक चाहर ने मैच के बाद कहा कि वह जब चेन्नई सुपरकिंस के कसान महेंद्र सिंह धोनी के साथ टेबल टेनिस खेलते हैं तो वे अपनी गेंदबाजी के बारे में चर्चा करते हैं।

केकेआर का जीत हासिल करने के बाद दीपक चाहर ने इस शख्स को दिया क्रेडिट, मैच के बाद कही ये बात

नई दिल्ली। आईपीएल 2019 में सबसे ताकतवर टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एकत्रपा जीत हासिल करने के बाद मंगलवार को कोलकाता के बाल्लभान्दे सिंह धोनी की टीम चेन्नई अड्डे की एक खिलाफ खेलने के लिए रवाना किया था। चाहर ने अपने 4 ओवर में 20 देकर 3 विकेट लिए थे। चाहर ने ट्रिक्स लिंग, रांबन उथपा और नीतीश राणा का विकेट लिया था। उनकी दमदार गेंदबाजी की वजह से कोलकाता का टाप ऑर पूरी तरह से ध्वनि हो गया था, जिसके बाद आद्रे रसेल को छोड़कर उनका कोई भी बल्लेबाज नहीं बना सका। धारादार गेंदबाजी के लिए चेन्नई के दीपक चाहर को पहले ही ओवर में झटका देने वाले चेन्नई के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने मैच के बाद अपनी शानदार गेंदबाजी के द्वारा उत्तम महेंद्र सिंह धोनी को दिया। दीपक चाहर ने मैच के बाद कहा कि वह जब चेन्नई सुपरकिंस के कसान महेंद्र सिंह धोनी में बहुत सारे मुकाबले खेलेंगे। इन्हिंए मैने स्लोअर बॉल और यॉकर पर काम किया। मैं ड्रेसिंग रूम में धोनी के साथ बहुत समय बिताता हूं और टेबल टेनिस खेलते समय उनसे बहुत कुछ सीखता हूं।

तुला: इस अवधि के दौरान दोसों और दिग्देवों के साथ मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। बोलचाल में कहुता न करें।

बुधिक: आपको प्रतिष्ठियों के साथ प्रतिस्पर्थ का सम्मान करना पड़ता है। बुधि चारुर्य से अनेक कठिनाइयां दूर हो सकती हैं।

धनु: आप अपने काम के स्थान पर आदर और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं।

वृषभ: जलबाली में कोई काम न करें। आप विपरीत दिन के प्रति आकर्षित हो सकते हैं। व्यापार में लाभकारी परिवर्तन हो सकते हैं।

मिथुन: इस समय आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है और कठिन परिश्रम के बाद व्यापार अच्छा चलेगा। जीवनसाथी के व्यवहार में अनुकूलता रहेगी।

कर्ण: धनाज्ञन के अवसरों में वृद्धि होनी एक से अधिक प्रेम संबंध स्थापित हो सकते हैं। स्थायी संपत्ति की प्राप्ति के बीच योग है।

सिंह: जो दिन विदेशी यात्राकारी में कांपता है वह दिन के लिए विदेशी लोगों से संबंध स्थापित हो सकती है। साथ ही अपनी आपको संघर्षों से बचा सकती है।

ज्योति: आपको विदेशी सांस्कृतिक सम्मान करने के लिए बाल व्यापार में अवधि हो सकती है।

गृही: आपको विदेशी लोगों से संबंध स्थापित हो सकते हैं।

धूम: आपको विदेशी लोगों से संबंध स्थापित हो सकते हैं।

धूल: इस अवधि के दौरान दोसों और दिग्देवों के साथ मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। बोलचाल में कहुता न करें।

वृषभिक: आपको प्रतिष्ठियों के साथ प्रतिस्पर्थ का सम